

नासपाली वि. (फा.) नासपाल के रंग का, कच्चे अनार के छिलके के रंग का।

नासमझ पुं. (देश.) जिसे समझ न हो, निर्बुद्धि।

नासमझी वि. (देश.) मूर्खता, बेवकूफी।

नासा स्त्री. (तत्.) 1. नाक, नासिका 2. नासारंध्र, 1. नाक का छेद 2. द्वार के ऊपर लगी हुई लकड़ी।

नासाग्र पुं. (तत्.) नाक का अगला भाग, नाक की नोक।

नासाछिद्र पुं. (तत्.) दे. नासा।

नासाज्वर पुं. (तत्.) वह ज्वर जो नाक के भीतर फोड़ा होने से होता है, इस ज्वर में सिर और रीढ़ की हड्डी में बड़ा दर्द होता है।

नासादारु पुं. (तत्.) भरेटा।

नासापरिस्राव पुं. (तत्.) दे. नासास्राव।

नासापाक पुं. (तत्.) नाक का एक रोग, नाक में बहुत सी फुंसियाँ निकलने के कारण नाक पक जाती है।

नासापुट पुं. (तत्.) नाक की वह झिल्ली जो छेदों के किनारे पर्दे का काम देता है, नथुना।

नासायोनि पुं. (तत्.) वह नपुसंक जिसे घ्राण करने पर उद्दीपन होता है, सौगंधिक नपुंसक।

नासारंध्र पुं. (तत्.) नाक का छिद्र, नथुना।

नासारोग पुं. (तत्.) नाक में होने वाला रोग।

नासाविवर पुं. (तत्.) दे. नासारंध्र।

नासावेध पुं. (तत्.) नाक का वह छेद जिसमें नथ आदि पहनी जाती है, नाक में छेद करने की प्रथा।

नासाशोथ पुं. (तत्.) नाक में कंक सूख जाने का रोग।

नासासंवेदन पुं. (तत्.) चिटचिटा, चिचड़ी।

नासास्राव पुं. (तत्.) नाक का एक रोग जिसमें नाक से सफेद और पीला मवाद निकलता है।

नासिकंधम वि. (तत्.) बोलते समय जिसके नाक से भी ध्वनि निकलती हो।

नासिक पुं. (तत्.) महाराष्ट्र में एक तीर्थ जो उस स्थान के निकट है, जहाँ से गोदावरी निकलती है इसी के पास पंचवटी वन है जहाँ वनवास के समय रामचंद्र ने कुछ काल निवास किया था और लक्ष्मण ने शूर्पणखा के नाक-कान काटे थे स्त्री. (तत्.) नाक, नासिका।

नासिका स्त्री. (तत्.) 1. नाक, नासा 2. हाथी की सूँड़, नाक के आकार की वस्तु, भरेटा।

नासिक्य पुं. (तत्.) 1. नासिका से उत्पन्न 2. नासिका 3. अश्विनी कुमार 4. अनुनासिक स्वर 5. नासिक प्रदेश।

नासिर पुं. (अर.) 1. गद्य लेखक 2. मददगार, सहायक 3. विजयी।

नासी पुं. (तद्.) 1. नाश करने वाला, नाशक 2. नष्ट होने वाला, नश्वर।

नासीर पुं. (तत्.) सेनानायक के आगे चलने वाला दल जो जयनाद करता चलता था, आगे बढ़कर युद्ध करने वाला, अगुआ, सेनाग्र।

नासूर पुं. (अर.) घाव, फोड़े आदि के भीतर दूर तक गया हुआ छेद जिससे बराबर मवाद निकला करता है और जिसके कारण घाव जल्दी अच्छा नहीं होता।

नास्ति पुं. (तत्.) नहीं है, अविद्यमानता।

नास्तिक पुं. (तत्.) वह जो ईश्वर, परलोक आदि को न माने, ईश्वर का अस्तित्व अस्वीकार करने वाला।

नास्तिकता स्त्री. (तत्.) नास्तिक होने का भाव, ईश्वर आदि को न मानने की बुद्धि।

नास्तिक दर्शन पुं. (तत्.) नास्तिकों का दर्शन।

नास्तिक्य पुं. (तत्.) नास्तिकता, परलोक या ईश्वर आदि में अविश्वास।

नास्तिद पुं. (तत्.) आम का पेड़।